अव्यय-प्रकरण 08

''स्वरादि निपातमव्ययम्।''

''स्वर आदि शब्द तथा निपात शब्द 'अव्यय' कहलाते हैं।'' अर्थात् जो शब्द तीनों लिंगों, सभी विभक्तियों और तीनों वचनों में समान रहते हैं, 'अव्यय' कहलाते हैं ।

''सदृशं त्रिषु लिङ्गेषु सर्वासु च विभक्तिषु।
वचनेषु च सर्वेषु यन्नव्येति तदव्ययम्'' ।।

अव्यय निम्नलिखित होते हैं—

1. क्रियाविशेषण (Adverb)

''जो शब्द क्रिया के काल, स्थान, रीति, परिमाण बताए और जिनके योग से प्रश्न किए जाएँ।''

प्रमुख कालवाचक अव्यय एवं उनके अर्थ—

अव्यय	अर्थ	अव्यय	अर्थ
यदा	जब	तदा	तब
कदा	कब (When)	सदा/सर्वदा	हमेशा (Always)
इदानीम्	इस समय (In this time)	अधुना	अब/आजकल
सम्प्रति/साम्प्रतम्	अब/इनदिनों	अद्य	आज (Today)
ह्यः	बीता कल (yesterday)	श्वः	आनेवाला कल (Tomorrow)
ऐषमः	इस साल (This year)	परुत्	परसाल (Last year)
सायम्	संध्या में (In the evening)	प्रातः	सुबह में
शीघ्रम्	जल्द ही	दिवा	दिन में (In the day)
नक्तम्	रात में (At night)	परश्वः	परसों
बहुधा	अक्सर (Again and again)	सम्भवतः	शायद
चिरम् /चिरात्/चिरेण/चिराय/चिरस्य—देर से		एकदा	एकबार/एक दिन
कदाचित्	कभी		

प्रमुख स्थानवाचक अव्यय

यत्र	—	यहाँ (here)	तत्र	—	वहाँ (there)
कुत्र/क्व	—	कहाँ (where)	अत्र	—	यहाँ
सर्वत्र	—	सब जगह (any where)	अन्तः	—	भीतर
बहिः	—	बाहर	अन्तरा	—	मध्य (middle)
उच्चैः	—	जोर से	नीचैः/अधः	—	नीचे
समया/निकषा/पार्श्वे	—	नजदीक (near)	अन्यत्र	—	दूसरी जगह
आरात्	—	पास या दूर (near or far)	ततः	—	वहाँ से

www.classnotes.in

इतस्ततः	—	इधर-उधर	अभितः	—	सामने
अग्रे/पुरतः	—	आगे (In front of)	परितः	—	चारों ओर

प्रमुख रीतिवाचक अव्यय

शनैः	—	धीरे (Slowly)	पुनः/भूयः/मुहुः	—	फिर (Again)
यथा	—	जैसे	तथा	—	वैसे
सहसा/अकस्मात्	—	अचानक	सम्यक्	—	ठीक से
असकृत	—	बार-बार	कथंचित्/कथंचन	—	किसी प्रकार
अजस्रम्	—	लगातार	इत्थम्	—	इस प्रकार
एवम्	—	इस प्रकार			

प्रमुख परिमाणवाचक अव्यय

किंचित्	—	थोड़ा	यावत्	—	जितना
तावत्	—	उतना	न्यूनतम्	—	थोड़ा
प्रकामम्	—	अधिक	सामि	—	आधा-आधी
नाना	—	अनेक	ईषत्	—	थोड़ा/कुछ
अलम्	—	पर्याप्त/बेकार	केवलम्	—	केवल (Only one)
कृतम्	—	बस/काफी	भृशम्	—	अधिकाधिक

प्रश्नवाचक अव्यय

कदा	—	कब (when)	अथ् किम्	—	हाँ तो क्या
किमर्थम्	—	किसलिए	क्व/कुत्र	—	कहाँ (where)
कुतः	—	कहाँ से	कथम्	—	क्यों (why)
किम्	—	क्या (what)।			

2. समुच्चयबोधक अव्यय (Conjunction)

"जो अव्यय शब्द पदों या वाक्यों को जोड़ने का काम करते हैं।"

प्रमुख समुच्चयबोधक अव्यय एवं उनके अर्थ

च/तथा	—	और (and)	हि/यतः	—	क्योंकि (because)
वा/अथवा	—	या (or)	यत्	—	कि
अपि	—	भी (also)	अतः	—	इसलिए (therefore)
तु	—	तो			
यदि/चेत्	—	अगर (If)	तदा	—	तो
परम्/परन्तु/किन्तु	—	लेकिन (but)	यद्यपि	—	हालाँकि
तथापि	—	फिर भी	अपितु	—	बल्कि
अन्यथा	—	नहीं तो	किंवा	—	अथवा (or)
अपरञ्च	—	और भी	तर्हि	—	तो

3. सम्बन्धबोधक अव्यय (Preposition)

"जो शब्द, वाक्य के अन्तर्गत शब्दों के परस्पर संबंध भाव को दर्शाते हैं।"

कुछ सम्बन्धबोधक अव्यय—

यावत्	—	जबतक	तावत्	—	तब तक

पर्यन्तम्	—	पर्यन्त/तक	अन्तरा/विना	—	बिना (without)
यथा-यथा	—	जैसे-जैसे	तथा-तथा	—	वैसे-वैसे
प्रत्युत्	—	उल्टे	युगपत्	—	एक साथ
समन्तात्	—	चारों ओर से			

4. विस्मयादिबोधक अव्यय (Interjection)

"जो शब्द, विस्मय, निराशा, घृणा, आदर, सुख-दुःख, हर्ष-विषाद आदि भावों को व्यक्त करते हैं।" **जैसे**—

हा, हा-हा, अहह	—	अवसादसूचक
अहो/बत	—	निराशा एवं आश्चर्यसूचक
अरे, रे, रे-रे	—	अनादर या सामान्य सूचक संबोधन
हा, हन्त, धिक्	—	घृणाबोधक
साधु, अतीव शोभनम्	—	वाह/बहुत अच्छा

Note: *उपसर्ग भी अव्यय के अन्तर्गत आते हैं जिसके बारे में विस्तार से पिछले पाठ में दिया जा चुका है। कुछ सामासिक पद भी अव्यय होते हैं, जिनके बारे में हम आगे पढ़ेंगे।*

प्रमुख अव्यय पद एवं उनके वाक्य-प्रयोग
(लगभग सभी Boards में अव्ययों के वाक्य प्रयोग पूछे जाते हैं)

1. **अकस्मात्** आगन्तुना सह मैत्री न युक्ता। *(अचानक आए हुए के साथ मित्रता अच्छी नहीं)*
2. सः पुस्तकं **अग्रे** निधाय पठति। *(वह पुस्तक आगे रखकर पढ़ता है)*
3. त्वम् **अचिरात्** फलं प्राप्यसि। *(तुम शीघ्र ही फल पाओगे)*
4. **यतः** अयं छात्रः मेधावी, **अतः** पाठं शीघ्रं स्मरति।
   (चूँकि यह छात्र मेधावी है इसलिए पाठ को शीघ्र याद कर लेता है।)
5. **इह** आगच्छ। *(यहाँ आओ—Come here)*
6. **तत्र** एकं मन्दिरम् आसीत्। *(वहाँ एक मन्दिर था)*
7. त्वं **कुत्र** गच्छसि ? *(तुम कहाँ जाते हो—where do you go ?)*
8. यत्र स्थानमस्ति **तत्र** तिष्ठ। *(जहाँ स्थान हो वहाँ बैठो)*
9. **उभयत्र** बालकाः सन्ति। *(दोनों जगह लड़के हैं)*
10. साधवः **सर्वत्र** न मिलन्ति। *(सज्जन सभी जगह नहीं मिलते हैं)*
11. ते सर्वे **एकत्र** स्थास्यन्ति। *(वे सब एक जगह रहेंगे)*
12. प्रखरः **अन्यत्र** गतवान्। *(प्रखर दूसरी जगह गया)*
13. **अधुना** देशे महार्धता अस्ति। *(आजकल देश में महँगाई है)*
14. **सम्प्रति** शीतं प्रतिभाति। *(इस समय जाड़ा लगता है)*
15. **साम्प्रतम्** भारतवर्षे लोकतन्त्रम् अस्ति। *(इस समय भारत में लोकतंत्र है)*
16. **इदानीं** शान्तिः न स्थापिता। *(इस समय शान्ति स्थापित नहीं है)*
17. मेघाः **उपरि-उपरि** गर्जन्ति। *(मेघ ऊपर-ऊपर गरजते हैं)*
18. अतः **ऊर्ध्वम्** पर्वताः सन्ति। *(इससे ऊपर पहाड़ हैं)*
19. नद्यः पर्वतेभ्यः **अधः** गच्छन्ति। *(नदियाँ पहाड़ों से नीचे जाती हैं)*
20. पर्वतानाम् **अधस्तात्** वनानि सन्ति। *(पहाड़ों के नीचे जंगल हैं)*

www.classroomnotes.com

21. **नीचैः** भूत्वा मेघाः वर्षन्ति। *(मेघ नीचे होकर बरसते हैं)*
22. दुष्टाः **सर्वान्** तिरस्कुर्वन्ति। *(दुष्ट सबों का तिरस्कार करते हैं)*
23. तत् **पश्चात्** नृत्यं भविष्यति। *(उसके बाद नाच होगा)*
24. भारते **उच्चैः** पर्वताः सन्ति। *(भारत में ऊँचे पहाड़ हैं)*
25. **अद्य** अहं गृहं न गमिष्यामि। *(आज मैं घर नहीं जाऊँगा)*
26. **श्वः** अवकाशः भविष्यति। *(कल छुट्टी रहेगी)*
27. **परश्वः** सोऽपि गृहं गमिष्यति। *(परसों वह भी घर जाएगा)*
28. **ह्यः** सः गृहं गतः। *(कल वह घर गया)*
29. **इत्थं** कदा भविष्यति ? *(ऐसा कब होगा)*
30. **एकदा** राजेन्द्रो नाम नेता आसीत्। *(एक समय राजेन्द्र नाम का नेता था)*
31. **तदा** त्वम् आगमिष्यसि **यदा** अहं गमिष्यमि। *(तब तुम आओगे जब मैं जाऊँगा)*
32. **अन्यदा** इदम् कार्यं भविष्यति। *(यह काम दूसरे दिन होगा)*
33. **दिवा** न स्वपेत्। *(दिन में नहीं सोना चाहिए)*
34. **शीघ्रं** गच्छ। *(जल्दी जाओ)*
35. चपला मूषिका **तीव्रं** धावति। *(चंचल चुहिया तेज दौड़ती है)*
36. वायुः **वेगेन** वाति। *(हवा तेज चलती है)*
37. त्वं **तु** नहि दृश्यसे। *(तुम तो दिखाई नहीं पड़ते)*
38. वर्षा भवति **परन्तु** अल्पशः। *(वर्षा होती है, परन्तु कम-कम)*
39. **कदाचित्** इत्थमभूत। *(कभी ऐसा हुआ)*
40. **कुतः** निर्जने वने तण्डुलाः ? *(निर्जन वन में चावल कहाँ से)*
41. **इतः** गच्छ। *(यहाँ से जाओ)*
42. **सर्वतः** वनम् अस्ति। *(सब ओर जंगल है)*
43. गृहम् **उभयतः** वृक्षाः सन्ति। *(घर के दोनों ओर पेड़ हैं।*
44. **कथं** विलम्बः। *(विलम्ब क्यों) why do you late ?*
45. रामनिवासः **तथा** संजयः परस्परं विवदतः। *(रामनिवास और संजय आपस में झगड़ते हैं)*
46. ग्रामं **निकषा** एकः सरोवरः अस्ति। *(गाँव के निकट एक सरोवर है)*
47. लक्ष्मणेन **समं** सीता गतवती। *(लक्ष्मण के साथा सीता गई)*
48. त्वया **सह** अहं गमिष्यामि। *(तुम्हारे साथ मैं जाऊँगा)*
49. रामेण **साकं** सीता गच्छति। *(राम के साथ सीता जाती है)*
50. **अलं** विवादेन। *(विवाद करना बेकार है)*
51. **अल्पं** भोजनीयम्। *(थोड़ा खाना चाहिए)*
52. **अल्पशः** भोक्तव्यम्। *(थोड़ा-थोड़ा खाना चाहिए)*
53. **बहुशः** मया उक्तम्। *(मैंने बहुत बार कहा)*
54. **क्रमशः** पूर्यते घटः। *(घड़ा क्रमशः भरता है)*
55. मया **अनेकशः** वर्जितः। *(मैंने अनेक बार मना किया)*
56. **बहु** भोजनं हानिकारकं भवति। *(बहुत भोजन हानिकारक होता है)*
57. **मुहुर्मुहुः** वर्षा भवति। *(बार-बार वर्षा होती है)*
58. सः उक्तवान् **यत्र** अहं न गमिष्यामि। *(उसने कहा कि मैं घर नहीं जाऊँगा)*

www.classroomnotes.in

59. पठिष्यसि चेत् सफलः भविष्यसि। *(पढ़ोगे तो सफल होगे)*
60. चिरम् प्रतीक्षितम् । *(बहुत देर तक प्रतीक्षा (wait) की)*
61. तूष्णीं भव। *(चुप रहो)*
62. प्रायः प्रतिदिनं सः आगच्छति। *(प्रायः वह प्रतिदिन आता है)*
63. प्राक् एव मया दृष्टम्। *(मैंने पहले ही देखा था)*
64. मा गच्छ। *(मत जाओ don't go)*
65. मिथ्या कथं वदसि ? *(झूठ क्यों बोलते हो ?)*
66. एकान्ते तेन कथितम्। *(उसने एकान्त में कहा)*
67. वरमेको गुणी पुत्रः। *(एक ही गुणी पुत्र अच्छा है)*
68. सिंही सकृत प्रसूते। *(सिंहनी एक बार ही बच्चा देती है)*
69. स हि गमिष्यति। *(वह अवश्य जाएगा)*
70. अन्तः प्रविश्य द्रष्टव्यमा। *(अन्दर घुसकर देखना चाहिए)*
71. सद्यः परीक्षा अभवत्। *(हाल ही परीक्षा हुई है)*
72. सपदि गत्वा निवेदय। *(शीघ्र ही जाकर कहो)*
73. बाढमेव कर्तुम्। *(ऐसा करना ठीक है)*
74. आम्, अहं गमिष्यामि। *(हाँ, मैं जाऊँगा)*
75. पर्यावरणः सदा स्मरणीयः। *(पर्यावरण का स्मरण सदा करना चाहिए)*
76. सहसा विदधीत न क्रियाम्। *(अचानक कोई काम नहीं करना चाहिए)*
77. मूर्खः अपि पण्डितः इव वदति। *(मूर्ख भी पण्डित के समान बोलता है)*
78. पुरा सर्वत्र धर्मः आसीत्। *(पहले सर्वत्र धर्म था)*
79. यदा त्वम् श्रमं करिष्यसि तर्हि त्वं सुखेन वत्स्यति।
(जब तुम श्रम करोगे तब तुम सुख से रहोगे)
80. अहं संस्कृतं गणितं च साधु जानामि। *(मैं संस्कृत और गणित ठीक से जानता हूँ)*
81. यदुपतेः क्व गता मथुरापुरी ? *(यदुपति की मथुरापुरी कहाँ गई)*
82. कुरु परिश्रमं, परिश्रमेण हि सफलाः भवन्ति लोकाः ।
(परिश्रम करो, क्योंकि परिश्रम से लोग सफल होते हैं)

प्रश्न-अभ्यास

1. अव्यय क्या है ? एक उदाहण देकर समझाएँ।

2. इन अव्ययों का वाक्य-प्रयोग करें—

एकदा	हि	आम्	अन्यत्र	शनैः-शनैः	अल्पम्	तर्हि
यत्	इदानीम्	चेत्	नूनम्	अलम्	कुत्र	कुतः
कदा	यदा	ह्यः	मिथ्या			

3. रिक्त स्थानों में उपयुक्त अव्यय पद भरें—

(a) पापी ..... फलं लभते। (b) त्वं संस्कृतं पठ ..... गणितः ।
(c) एवं ते ..... स्थिताः। (d) मिथ्या ..... वद ॥
(e) सः ..... गृहं गतः। (f) प्रातः सायं ..... पर्यटनं वरम् ॥
(g) ..... विदधीत न क्रियाम्। (h) नरः निजकर्मणा फलं ..... लभते ।
(i) त्वम् ..... दुर्गतः ।

4. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्ययों को छाँटकर लिखें— [U.P. Board]

(a) तत्र पुस्तकानि सन्ति। .....

(b) अत्र सीता न पठति। .....

(c) माता दुग्धं पाययति सदा। .....

(d) सायं चन्द्रः उदेति। .....

(e) सा प्रातः पठति पश्चात् खेलति। .....

(f) श्रमिकः अपि कार्यं करोति। .....

(g) वीराः गर्जितुं न भवन्ति। .....

(h) पापी अचिरं फलं लभते। .....

5. अधोलिखितेषु वाक्येषु उचित अव्ययपदैः रिक्तस्थानानि पूरयित्वा पुनः लिखत

(Rewrite the following sentences after filling in the blanks with suitable indeclinables) [C.B.S.E.—2008]

तथा, पुनः-पुनः, मा, तावत्, अलम्, चेत्, एव, पुरा, श्वः, ह्यः, सर्वत्र, बहिः, उभयतः, परस्परम्, तत्र, अपि, इति।

(a) भीमः तु एकाकी एव द्रोणपुत्राय ..... (1) ..... ।

(b) प्रथमं तु पर्यटनाधिकरी ..... (2) ..... एकं प्रश्नं पृच्छति।

(c) यथा अवक्रता चित्ते .....(3) ..... वाचि भवेत्।

(d) अनृतं वदसि .....(4) ..... काकः दशेत्।

(e) इदं जगत् तु .....(5) ..... जायते विलीयते च।

(f) मार्गे अवकरं .....(6)..... क्षिप।

(g) यावत् परोपकारः क्रियते .....(7) ..... शरीरस्य सदुपयोगः।

(h) .....(8) ..... कालिदासः नाम महाकविः अभवत्।

(i) ..... (9) ..... रविवासरः आसीत् ..... (10) ..... मंगलवारः भविष्यति।

(j) .....(11) .....अस्माकं विद्यालये एका गोष्ठी अभवत् .....(12) ..... महानगरेषु वर्धमानं प्रदूषणं प्रति चर्चा कृत। गोष्ठ्यां वक्तृणां .....(13) ..... विचाराणां सारः असीत्।

(k) गृहात् ..... (14) ..... अवकरः न क्षेपणीयः।

(l) मार्गम् ..... (15) ..... वृक्षाः आरोपणीयाः।

(m) जलम् ..... (16) ..... जीवनम् ..... (17) ..... मनीस निधाय जल संरक्षणम् कर्त्तव्यम्।

(n) ध्वनिप्रदूषणं निवारयितुं ध्वनिप्रसारणक यंत्राणां प्रयोग ..... *(18)* ..... भवतु इति निश्चितं कर्त्तव्यम्।

(o) सयमे-समये जल शुद्धिः ..... (19) ..... करणीया।

(p) पर्यावरणरक्षणाय जनजागरणार्थं महावाक्यानि पट्टिकासु लिखित्वा ..... (20) ..... टङ्कनीयानि।

★★★